









म्-वेर्म्य नभ

मीभर्ग-मर्-मर्द्भग-रुगवस्य-परभुगगउ-भुलाभाय-भवः पी०भा म्-िक म्नि-क भके ए-पी०भा स्गमुरु-मी-मद्भग्राट-भ्राभि-मीभ०-भंभूपिभा

# ॥म्। यन् मापर न्-भरभु डी-म्। यर ल-ल ५- ५ ९-**५**मू डिः॥

भाजमीयु-तुभू-स्वाम्मी (27.12.2024)

(ग्रगभ्) [विष्मुम्वरप्रं मुङ्गा]

> मुक्ताभगणां विभूमिनवं एउउउएभा प्भन्वरनं पृष्येऽ भवविभेपमानुषे॥

प्प्पाना मुघभा है हुः + हुमुवः भवरेभा। (मप उपम्मु, पुप्तक उन्ना गुर्जी द्वा)

भभेपारुमभभुम् विउत्यक्षा मीपरभेष्ठरपीटुरं, मुरु मेरुने भूकर मम् रूक्षणः म्विडीयपर चे च्वेडवर फकल् वैवभ्वडभत्र च स्वाविम डिडमे कलिय्गे प्षमे पार

वैर्य-एग्न-माभु-पिरिपालन-मरा

© 9884655618 **Д** © 8072613857 **Д** wdspsabha@gmail.com **© vdspsabha.org** 



रुर रुर मद्भर

स्भृत्वीप रागउवर् रुगडापर् भंगेः मिक्ल पास्त्र मिन्न वर्गात वर्गात वर्गात कार्य प्रवासीनं धर्मः मंवद्भगः भष्ट निष्ठि-नाभ-मंवद्भग सिष्णवन केभनु -एउँ णन्ग्-भाजमीद् -भाम नुभू -पब मारमुं मुरुडिये रुगु वाभगयुकायां विमापा-नब्र्युकु यं एउ-वेगयुकु यं केलव-कर्ण (०३:४-; उँडिल-करण) युकु या भा ारवं-गुल्ल-विमिध्नाया भा मिर्मा मुर्मा मुरु मुरु उर्घे मी पर भेम्वर पी दुरू भा

- उङ्गापाद्ध-नबर्चे एन्गामी मृतिसुदानां मीभडा-मद्भग-विस्चन्-भगभुडी-भंवभीन् "भा मभा कं एगमुर्" मीय-म्यः-म्रेग्-भिमूरं,
- ० उँः भद्भलियानं भन्नेषं लेक-बिभार्-काराणं वर्-माभुरि-मभ्राय-पेषण-कारा १० विविष- इ. या राया म मिविष्ठया मभ्रमु रं
- o काभके एि-गुरु-पर भूरायां काभके एि-रुरु-ए नानाभा या मुल-रावसुमू-म्, म्डर-रुज़ि-मिम्रुद्रं, परम्पर-चिकभट्ट-मिम्रुद्रं
- राउीयानं भन्नासनानं विभ्न-निवृद्धि-पुत्रक-मङ्काद्ध-प्वृद्धि-म्वाग चिकिच-म्भिक-म्रुम्य-प्पृर्भा, ममङ्गर्दे हुः नित् हुर्
- राजीयानं भनुः भनाउन-भभ्माय म्म्न-र्हेः मिर्विमृ
- o भर्तेषं म्विपमं ग्रुभमाभा मर्तेषं ग्र प्राप्य-वज्ञाप्यभा म्वेग्-युक्-भाप-प्यीवन-मवा भुरू भी
- ग्रम्मकं मठ-कुएभ्रानं एम्मग्न-काभ-भेब-ग्रुप-ग्रउतिण-पुरुषाग्न-मिम्नुग्नं वैगगृ-भिमुद्रं

मी-यन् मापरन्-भारभ्री-मीयर -पीट्रभा मी-यन् मापरन्-भारभ्री-मीयर --युग एना-भर्छे दुन् व वषा म कि- एन - युवा रूना रि- धेरुमे पर्या है। मी- एन् मापर न्-भरभूडी-मीगा- पूरं कि शि उम्हें कलम पूरं ग कि शि [कलम पूरं क्रिं।]

वैर्य-एग्न-माभु-पिरिपालन-मरा

रुर रुर मप्तर

## ॥प्ट्रांचभी॥

म्डिम्डिप्रण्याभा मुल वं करण्या यभा। 

मह्ना उन्नरुन-पिउराना मुद्द्विदिप्दिमः इं लेकाना रुवम्बिमापा-उपपपप्रमानाना। भुकु भीनं वहविहिभने भुलंडे निध्उनी मभैगु रिम्चरि 

> यथारकरणभित्रं हानमं मानुरुधिणभा। मी ग्रन् मापर गुरं प्रभाभि भूमा उन्नामा

मी-यन्मापरन्-भरभ्री-मीयर ११ पृथा भी मी-यन्मापरन्-भरभ्री-मीयर ११ त मुबारुयाभि

मी-छन्, मापरन्-भरभुडी-मी छरल्के नभः, सुभनं भभर् या भि मी-छन् मेषि न्-भरभ्री-मी छर ले ने नभः, भ्रागउं वृष्ठराभि पुरूकु भूभभन् याभि मी-एन्मेपरन्भरभरी-मीएरलंहे नभः, पारं भभर्याभा मी-छन्मापरन्भरभ्डी-मीछरल्कृतभः, मसुं मभर्याभा मी-एन्, मापरन्-भाग्यी-मीएरलं हे नभः, ग्राभनीयं मभन्याभि। मी-छन्,मापरन्-भरभुडी-मी छरल्के नभः, भएपक्वं मभन्यामा मी-छन्मापरन्-परभुडी-मीछरल्कृ नभः, भूपयाभि भूपनानग्रभा मुछभनीयं मभर्-याभि।

मी-छन्, मापर न्-भरभ्रडी-मी छरल्के नभः, वधुं भभन् या भि मी-छन्,मापरन्-भरभुडी-मी छरल्के नभः, वक्रिपवीउं मभन् या भि म्। यन् मापरन् न्भरभ्री-म्। यरलं हे नभः, रुभ्रेम्लनं रुम्ब-भालिकां य मभर्यामा मी-एन्मापरन्भरभरी-मीएरलंकृतभः, िर्धिरिभलगरून एरयाभि। गत्रभृंपिर रुरिम् कुरूमं मभर् या नि

मी-यन्मापरन्-भरभ्डी-मीयरल्कृनभः, मब्दान् मभन्याभि प्रदे प्रस्याभि

वैर्य-एग्न-माभु-पिरिपालन-मरा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4** 



# ॥म्भिम्नन्,मापरन्,भरभ्रीम्। एरल्भ्रेड्डरमउन भरवलिः॥

मी-ग्रन्मापरन्भूमागाराय नभे नभ म्-ि प्रनुभेल-पाराह्य-भएपाय नभेनभ मुग्नार-पामाणिश्वानिधिकुच नभे नभः भवस्र प्रायद-रुगवर्ग-भ्रमुपाय नमे नभ मसु इ-वेग-भित्र गिरिष्ठ नमे नभ भनकारि-भकावेगि-भर्माय नभे नभ भजः दिवन्-जभुः स-मङ्गाराच नभे नभः भक्र वैगि-विनिर्म्ध-भक्रुव नमे नभ काभके ए-भका पीका पीम्राय नमे नभ किल-मेप-नित्रुक-कारण्य नभे नभ म्-मद्भर-पद्मभुर-ग्रियुनाय नभे नभ रुगडी-क्ट-स्टिक्क्य ग्-नगुनाय नभे नभः कर्ण-रम-कल्लेल-कएक्य नभे नभः का नि-निक्ति उ-मृद्धेन्-कभाषाय नभे नभ मभन्तन्-कृत्न-गभनाय नभे नभः म्म्वें उत्तर्न-रुपिउ-ग्रिम्त्-पुपाय नभे नभः क्टी-उट-लभम्मा ५-का धायाय नमे नभः कएब-भाउ-भेबिम्बा-एनकाय नभे नभः गफ-एए-लभए - वैया-एए का व नमें नभ द्राल-राग-लभम्त्-हुडि-पुत्रुकाय नमे नभः **८**ग-ज्नम-मू,गर्मा-रिवृ-भाषाक्षाय नभे नभ म्ण-भग्रिभाभक्कि-राधण्ण्य नमे नभः उपनीय-डिरभ्रारि-मरीराय नमें नभः उप-प्रा-मरा-गाएडा-म्नेर्य नभे नभः भङ्गीउरनन्-भन्रेष्ठ-भन्नभुग्य नभे नभः मंभाराभुणि-निम्मय्-उपरकाय नभे नभः भभुकेल्ला भि-रुम् ब-भक्तएय नभे नभः भाका उर्- ५४- मिवा भेष- ६ च नाय नभे नभः ग्रज्ञ गउ-भक्र-उँसै टुस्युलाय नभे नभः

वॅर्र-एर्-मप्-परिपालन-मरा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4** 





भाकाडी-मुड-स्पन्नाइ-भुगुपाय नमे नभ क्व-गिम्त्-गल-एन दुनु-म्ल राय नभे नभः क्व-ग्रिन्मक्र-स्पादीव-म्भूपाय नभे नभ गै-राक्षण-िष्डामक्र-भानमाय नभे नभः गुरु-भए'ल-भभु वृ-वि एक व नभे नभः रुवना-भाउ-भनुध-रूम्याय नभे नभ राष्ट्रा दिराष्ट्र - मिब्र-मी- पमा साथ नमे नभ वुकु वुकु उरा ने क-ग्रिडा - कला य नभे नभः 1 कु-मुक्त-प्रा-भिम्-पा म्काय नभे नभः **७** जु-भारम-गासीव-छवराय रभे रभः ठकु-लेग्रन-गणीव-राभुगय नभे नभ ठजु-काभल उप-कल्पपाम्पाय नभे नभः कुक्ति-भृक्ति-प्राचिक-मक्ति-प्राच नभे नभः मर १९०७ उ-मीन यु-र ब् का य नमें नभ मभारि-४६-मभुद्रा-५रावकाव नमे नभ भवरः भवषः लेक-भेष्ट-रः य नभे नभः मरा नव-नवाका हु-समना व नमें नभ भत्र-रूड्रा-पम्मभक्त्र-निप्ण्य नभे नभः भन्नि इ-परिक्रन-मभग्रव नभे नभः भूप-<del>एक्</del>न-रुक्कु<del>श्-</del>मिक्कि-एक् नभे नभः भव-वभु-विरुवाद्म-भम्ता-गुपाय नभे नभः मीन-रुकु वनिकानु-मीबिडाय नभे नभः ह्न-वेग-उलैम्ट-भानिराय नभे नभः ठाव-भाग्रद-कलिउ हव-माव नभे नभः भव-हुउ-गल्भेय-भेजाग्य नभे नभ भुकी-हुउ नेक-लेक-वाक्।-प्राय नमे नभः मीउली- 73- रूडा - डा प-में वका य नमें नभ हेग-भेब-प्राचक-वेग-स्रव नभे नभः मी भू- भि फ्रि-कर ने क- मि ब ए व न भे न भ मभानिङ्गासि-भाषापुर्-भिम्नि-साय नभे नभः

वॅर्र-एर्-मप्-परिपालन-मरा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4** 



व्य व्य मक्ष्य मापर्दे क-रभानन्-प्रीणाय नभे नभः निट्टानिट्ट-विवेक-प्राचकाय नभे नभः प्ट्रगॅंक-रमापप्र-ग्रिड्|-मृापाय नभे नभ <mark>७ज भ्रु ५- वैग गृ-मिम्कि-म</mark>्य नभे नभ भुज-भुज-पित् हुर्र-भु-माध प्रभ प्रभ बुउ-बुइः - ५ डुक-म् सि-म् य नभे नभ बय-वृद्धि-विजीना द्वामी पृश्या व न भे न भ दुलास्न-विजीनाङ्मद्रपु-माय नमे नभः भुलाह्न ना गिउ द्वाभू जि-माय नभे नभ रु ति-मणेसु एन-प्रक्र्ति व नभे नभः मानि-वृद्धि-प्राभेष-एल-प्राय नभे नभः एक नु-रुकु-भंवे ह्-भूग उपय नभे नभः म्। ग्रन्-र ष-निग्नल-मृप्ष य नभे नभः मी-कलाल-कराभय-म् नेकाय नभे नभ मुम्डिम्बलीवङ्ग-प्रपक्व नभे नभ मीपला तुर्भानिक रू-रुधका य नभे नभ भमिषृ-गण्य-याद्य-विणयकाय नभे नभः भाष-भद्भ-नुडामेब-छरण्ण्ब नमे नभ मिरिज्ञ क्रिक्ट निस्त्र न-पृत्ते ए य नभे नभः िच िच - भड़े साथि पृष्णि उपय नभे नभः उउा-उद्गा-विभाक-मद्गा-वेष-दायकाय नभे नभः उउा-उद्या-राधा-प्काएउ-भू-गीउ व नभे नभः उर्-उर्-मुडानक-भड़ा-का दाय नभे नभः ग्रिउ-ग्रिउ-प्राव-प्मिम्निकाय नभे नभ लैक न्ग्र-मुडा-कम्-निष्ठि उच नभे नभ लैकेम्रुडि-भन्न-दुनि-नियभाय नभे नभः भव-वैस् नु-भिम्न नु-भभूउ व नभे नभः कर्-र्फ़्रु-कर"-भर्-ष्रय नभे नभः वल्लम्भ-भद्रागाय-पब्काय नभे नभ

वैम्-एम्-मप्यु-पिर्मिपलन-मर्हा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4** 

एग्गर्-काभ-भेब-प्रायकाय नभे नभ

रुर रुर मद्भर

पर्-ताकृ-प्भार्णिर-पारीए०व नमे नभः पा र- भूल-न उपि क-पिए उप व नभे नभः वैर्य-माभुग्रु-भर्या-गेष्ठी-विलाभाय नभे नभः वैर्य-माभु-प्राप्णि-वियागाय नभे नभ वैर-वैराङ्ग-उङ्ग-प्रीणकाय नभी नभः वॅ८-भाज-प्भार्य-प्रापृप्यकाय नभे नभः निकिए-उँऐविण्ड-निम्पूच नभे नभ निरन्र-भज्यन्-भभुत्र्य नभे नभ भुष्टाव-भएरोध्या-गाभीट्या नभे नभ मरुएनन्-मभुरू-मागग्य नमे नभ नाम-विन्-कलाडीउ-वैरुवाय नभे नभः वार-हर-विजीना अने एका या नमे नभ म्वास्मानु-भका-पी०-निभक्षण्य नमे नभः रम-कालापिरिस्चिन-स्गा-रूपाय नमे नभ निग्नन-मान्नि-भिक्र-निम्नलाय नभे नभः निज्ञकु-लकु-मंलकु-निज्ञिपाय नभे नभः म्-ि भेरमा नु-कभल-मृ भिरुष नभे नभः मी-एन्मापरन्-मी-भरभृहै नभे नभः

0...

0.3

॥७डि वल क्क्रिभाना-ग्राभाकिष्टनेन किरकामा भिृभनेना भृकृष्टभा भिृल्ण विराधि उ मीभम्नेन् मापरेन् भरभुडीम्। प्रयाणभ्भेष्टरामडना भरकृष्टभा भिृल्ण।

## मुग्राट्याभुगनाभावलिः

॥ भुकामाराः॥

- 1. म्भिउँ ८ बिल्लभुउँ व नभः
- 2. मीभउँ विभूत नभः
- 3. मीभउँ रक्त नभः
- 4. मीभउँ विभिष्ठ य नभः
- 5. मीभउँ मकुच नभः
- 6. मीभउँ परामराय नभः
- 7. मीभउँ ब्रामाय नभः

वैर्- एर्-माभु- परिपाल न-मरा

© 9884655618 **Д** © 8072613857 **Д** wdspsabha@gmail.com **© vdspsabha.org** 

### व्य व्य मक्ष्र

- 8. मीभउँ मुकाय नभः
- 9. मीभउँ गें रुपा मा व नभ
- 10. मीभउँ गैविन् रुगवसुम् य नभः
- 11. म्भिउँ मर्द्भग्रहगवशुम्पय नभः

### ॥ ठगवशुम्मिभृः॥

- 1. मीभउँ भुरू मुरू घाराय नभ
- 2. मीभउँ पम्भपामामाराय नभः
- 3. मीभउँ जभुभनका गाराय नभः
- 4. मीभउँ उएका गाराय नभ
- 5. मीभउँ प्षिवीणवागाराय नभः
- 6. मीभउँ भवस्र क्ष्यू भगभू है नभः
- 7. मनुष्ट्रः मञ्जग्रहगवञ्च म-मिर्मृष्ट्रे नभः

### ॥ काभकेए-मुग्रान्दः॥

- 1. मीभउँ मद्भारुगवसु माय नभः
- 2. मीभउँ भुरमुरा गाराय नभ
- 3. मीभउँ भवस्र ३ ७२ , भगभु 💆 नभः
- 4. मीभउँ भट्टने ए-उन्, भरभुटैं नभः
- 5. मीभउँ ऋनातन्-उन्भगभुट्टै नभः
- 6. मीभउँ मुद्भानन्-उन्, भरभुट्टै नभः
- 7. मीभउँ गुनन् हन-उन्भगभुटैँ नभः
- 8. मीभउँ कैवलू नन्-उन्मगभुटै नभः
- 9. मीभउँ क्रथामङ्कर-उत्पारश्वटै नभः
- 10. मीभउँ विम्नगुप-भूगम्बर-उन्,भरभुट्टै नभः
- 11. म्भिउ मिक् नन्-ग्रिम्न-उन्मग्रस्ट नभः
- 12. मीभउँ भावकें भ-ग्रन् मापर-उन्,भरभुट्टै नभः
- 13. मीभउँ का श्रभी न-मिस्स्त-उन्भग्नशृहै नभः
- 14. मीभउँ हैरविष्या-विद्याभन-उन्भरभुट्टै नभः
  - © 9884655618 **4** © 8072613857 **4**

15. मीभउँ गी५िउ-गङ्ग एग-७न् भगभुट्टै नभः

- 16. मीभउँ उङ्गुलमङ्गर-उन्मरभुट्टै नभः
- 17. मीभड़ गें रु-भम्म मिव-उन्, भरश्वह नभः
- 18. मीभउँ भुग-उन्, भगभुट्टै नभः
- 19. मीभडे भारपा-विम्नाभन-उन्भारसृहै नभः
- 20. मीभउँ भुकम ५४ ७२ मा भू है नभ
- 21. मीभउँ एकवी-ग्रमुग्र-अनुभगभुट्टै नभः
- 22. मीभउँ परिपुरूवै ए-उन्, भरभुट्टै नभः
- 23. मीभउँ भिम्नुसुप-उन्,भरभुटैँ नभः
- 24. मीभउँ केंद्रू "-ग्रियुप-उन्, भरभुटूँ नभः
- 25. मीभडें मिस्स्यानन्भन-उन्भागभृहें नभः
- 26. मीभउँ प्रस्थन-उन्मग्रसृटैं नेभः
- 27. म्भिउँ ग्रिम्बिल म-उन्मग्रसृटै नभः
- 28. मीभउँ भका दिव-उन् भरेश्वट्टै नभः
- 29. मीभउँ पुरुके ए-उन्मिरभुट्टै नभः

- 30. मीभउँ रुक्तिवेग-वेण-उन्भगभृहै नभः
- 31. मीभउँ मील निणि-इङ्ग नन्भन-उन्भगभुटँ नभः
- 32. मीभउँ प्रिम्पनन्थन् भन-धन् भगभू है नभः
- 33. मीभउँ राधापरमिष्ठिमिस्सारा नन्भन-उन्भारश्रुटै नभः
- 34. मीभउँ ग्रन्मापर-उन्भरभुट्टै नभः
- 35. म्ीभउँ वक्तरुप-ग्रियुगप-छन्,भरभुट्टै नभः
- 36. मीभउँ ग्रिक्सापानन्-उन्समभुट्टै नभः
- 37. मीभउँ विम्हणन-उन्ममभुट्टै नभः
- 38. मीभउँ णीरमद्भर-उन्भरभुट्टै नभः
- 39. मीभउँ मिम्निम्बिलाम-उन्मारभुट्टै नभः
- 40. म्भिउ मेरुन-भक्त है व-उन् भगभू है नभः
- 41. मीभउँ गङ्ग एर-उन्मरभुट्टै नभः
- 42. मीभउँ इङ्गानन् अन-उन्भारभुट्टै नभः -01-मप्-परिपलन-मरा

- 43. मीभउँ ग्रुनन्भन-इन्मगभुट्टै नभः
- 44. मीभउ पुरूबे ए-उन्.भरभुट्टै नभः
- 45. म्भिउ परभमिव-७न्, भरभृट नभः
- 46. मीभउँ भार् तर्ने ए-उर्भग्य है नभः
- 47. मीभउँ छन् मापर-उन्भरभूटै नभः
- 48. मीभउँ मङ्गैउ नन् के ए-उन्भरभृष्टे नभः
- 49. मीभउँ भका दिव-उन् भगभुट्टै नभः
- 50. मीभउँ छन् छर-उन्भगसृहै नभः
- 51. मीभउ विम्नु उीर् इन्मा भूटे नभः
- 52. मीभउँ मङ्गगनन् उन् भगभृष्टै नभः
  - मीभउँ यद्भैँ उर्द्धानन् य नभः
    मीभउँ विद्यारधिय नभः

  - ० मनुष्टुः विम्ह्यी रू. म रू र न नू. मि मृष्टु न भः
- 53. मीभडे प्रकारन्-भम्मामिब-उन्,भरभुट्टै नभः
- 54. मीभउ ब्रामा ग्रल-भका द्विन उन् मरभुट्टै नभः
- 55. मीभउँ छन्, छर-उन्, भरभुट्टै नभः

- 56. मीभउँ भरामिकी ए-उन्भगभुट्टै नभः
- 57. मीभउँ परभमिव-उन्, भरभुटैं नभः
  - ० मीभउँ भम्मिवरक्न-उन्भगभृष्टै नभः
- 58. मीभउ विम्वाणिक-मुद्भवेण-अन्, भगभू है नभः
- 59. मीभउँ रुगवन भ-वेष-उन्भगसृहै नभः
- 60. मीभउँ मह्नैउन्द्रप्काम-अन्मग्रसृ नभः
- 61. मीभउँ भका रिव-उन्, भरभुट्टै नभः
- 62. मीभडे मिवगीडिभाला-ग्रन्मापर-उन्भगसृहै नभः
- 63. मीभउँ भका रिव-उन्, भगभुट्टै नभः
- 64. मीभउँ छन् मापर-उन् भरभुट्टै नभः
- 65. मीभउँ मुम्मन-भकार्य-उन्मग्युटै नभः

वॅ़⊏-णग्न-मप्-पिर्यालन-मरु

एय एय मर्द्भग

### रुर रुर मर्द्वर

66. मीभउँ छन्,मापर-उन्,भरभुट्टै नभः

- 67. मीभउँ भका है ब-उन् मगभु है नभः
- 68. मीभउँ छन्,मापर-उन्,भरभुट्टै नभः
- 69. मीभउँ एचन् भगभुट्टै नभः
- 70. मीभउँ मद्भगविष्यवन् भगभुट्टै नभः

मी-छन्मापरन्-भरभुडी-मीछरलं है नभः, ननाविष्णिरभल पर्पृष्णि भभर्याभा मी-छन्मापरन्-भरभुडी-मीछरलं है नभः, प्रथम भ्रायाभा मी-छन्मापरन्-भरभुडी-मीछरलं है नभः, सीपं स्वयाभा मी-छन्मापरन्-भरभुडी-मीछरलं है नभः, सभ् उं भकान्वे संह पानीयं छ निवेस्याभा निवेस्तान उर्रभा स्छभनीयं मभर्याभा मी-छन्मापरन्-भरभुडी-मीछरलं है नभः, कर्रर उप्रुलं मभर्याभा मी-छन्मापरन्-भरभुडी-मीछरलं है नभः, भङ्गल नीर एनं स्वयाभा मी-छन्मापरन्-भरभुडी-मीछरलं है नभः, प्रक्रिल नभभुर ना मभर्याभा मी-छन्मापरन्-भरभुडी-मीछरलं है नभः, प्रक्रिल नभभुर ना मभर्याभा मी-छन्मापरन्-भरभुडी-मीछरलं है नभः, प्रक्रिल नभभुर ना मभर्याभा मी-छन्मापरन्-भरभुडी-मीछरलं है नभः, प्रक्रिल नभभुर ना मभर्याभा

## ॥भ्रुपि-वग्रनभा॥

- भ्रिम् मीभम्म-मापल-छुभप्रलाल द्वर-उविध्मित्रा-केए-मिवर-मिवर-मी-काभाषी-मित्री-भनाष-मीभम्मा-एकाभ्नाष-मी-भलामिती-भनाष-मी-लिभ्रिगिरिनाष-भाषाञ्चर-परभाणिश्वर-भट्टव्र-नाभाद्विउ-काङ्गी-मिवृ-बिर्ट् मारम्भ०-मिन्रुरानाभा
- गडिल उ-मण गम-भण प्र-कभलाभन-काभिनी-णिभूल्ल-भभूल्ल-भिन्तिका-भागिका-निः धृन्-भकर न्-गगी-भीविभुक-वादिगुभू-विष्णुभुण्णेन न्-डुन्-िल उ-भनीिष-भग्रलानाभा
- ० यनवर उम्हें उ-विम्टु-विनेम्-रिभका नं निर नुराल सु डी मु उ-मानि-मानि- हु भाभा
- ० भकल- इवन- ग्रक्- प्रिष्ठा पक-मी ग्रक्- प्रिष्ठा- विष्टा उ- वमे ज्ला रू उपना भा
- निपिल-पाधप्र-धप्र-कक्ष्वेञ्चएनन विमम्पित्र-वेम्पन्न-धप्पर-प्रिष्ठापकामाराण्यभा
- ० परभर्जभ-परिवृष्टका या द वद-एग मुह-मीभ श्र-म द्वर हग वश्व सा या स्पर्भा

वैद्य-एयू-माभु-पिरिपाल न-मङा

© 9884655618 **1** © 8072613857 **2** vdspsabha@gmail.com **3** vdspsabha.org

व्य व्य मश्चर

० गणिश्च भिकामना रिभिक्-मीभउर् - ग्रन् मापर न्-भरभुडी-मीपा सानाभा वाभिवद-मीभद्रा-एचन्-भगभुडी-मीपाद्रानाभा मनुवाभिवद-मीभडा-मह्नर-विष्यचन्-भरभुडी-मीपारानं ग्ररण-निलन्धः भप्म्यं भाक्क्लिवतं ग्रनभ्युन्॥

# ॥म्यिन् मापरन् भरभुडी-म्यिर - विधव म्भिम्बद्भरिव एवन् भरभुडीम् एरलः विरिाएउं मम्हर-म्मकभा॥

म्डि-म्डि-प्रालेक-एर्-भाज-गउं गुरुभा ठज्ञानं किउ-वज्ञानं नभमृ ग्रिष्ठ-मुम्न्याणा यम्बैटानन्-रुविडं भाग्रनाभा उपकाविलाभा। भव-माभु-विमं मानुं नभमृ ग्रिङ्-मुम्रूचे॥३॥ कर्-रुक्ति-स्न-भाज-प्राप्त वर्-कर्रुणभा। मन्ग्र-प्राउपं नभमृ ग्रिइ-मुम्रचे॥३॥ ठगवसु ६-५ ६ म्. विनिविमिउ- ग्रेउमः मी-ग्रन्मापर-गुरेः प्भामे भवि एवराभाग ब्रु-डीर्-कषा रिक्षः भिम्निमा नन्-विग्रुः। ग्रन्मापर-वर्दे मे भनिए इं भम् रूमि॥॥ पेषल वेद्य-माभालं द्यु-ग्रिड्डभकर्ग-निमभा। हुं चारा-गरं वेन् ममा-गुरं यन् मापरभाशा वैर्य-स्ना वैर्याण्ये-स्ना करं वसु मभ्यानुभः। गुरुद्रम् भका द्वाः उं वन् ग्रन् मापरभागा भिल्या प्रक-गेम्प्राम्-रुक्ति-व्यमभुर्देशी-रुमभी। गलानां रुगवम् (- रुन्तिं वचयनं गुरं रुम्॥ र॥ लभ्परम्पा-नाभुक-राव-भर्त-केविस्भा मिवं भि,उ-भाषं मण्तुं प्रांडेऽभि, एगम्, न्युक्भाष्ण॥ विनचन प्रचुकं विम्नं वेषय मे ग्रो।

भाजभनं न एनि ७ ठवनं मरणं गउः॥०॥ ॥ ७ डि मी ए नु मापर नु भरभ्र डी-मी एर "-विषय मी भम्र द्वर विष्य व नु भरभ्र डी मी एर ""

> विरिणिउं भम्नुग-म्मकभा॥ वे⊏-णा-माभ-पिरिपालन-मङा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4** ✓ vdspsabha@gmail.com 
 vdspsabha.org 

## ॥उएकास्कभा॥

विम्रिडापिल-माभु-भूण-स्लिप भिर्जिउपनिषद्या-किषद्य रू-निण। कर्षे कलचे विभनं ग्राण हर महुर द्विमक में मरणभी।।।।

करण-वरणलय पालय भंग ठव-भागर-म्शप-विम्न-कम्भा र ग्रं या पिल-स्मन-उर्३-विस् ठव मद्भग मिक मे मग्णभा॥॥

रुवडा एनडा मुलिडा रुविडा निस्-वेष-विष्णाय"-प्राप्त-भउ। कल चम्रा-ग्टीव-विवैक-विमं ठव महूर हिमिक में मरणभाशा

ठव एव ठवानि । निउगं मभए यउ 🗓 उमि के उकि उ। भभ वार्य भेज-भजा-एल पिं ठव मद्भग दिमिक मे मग्णभागा

मुन्डेरिक इक्क रुवेडे रुविउर मभ-ममन-लग्लभउर। मिउमीनिभिभं परिपालय भंग ठव महुर दिमिक में मरणभी॥भ॥

एगडीभिवेउं कलिउ कुउंचे विग्रानि भन्ग-भन्भमुल उः। मिलभं मुरिवाई विदासि पुरे ठव मद्भर हिमक में मरणभागा

गुरु-पुङ्गव पुङ्गव-केउन उ मभराभयरां न कि कें,पि मुणी। मर १०० गउ-व दुन उडु-नि ए ठव मद्भग द्यमिक म मगणभाशा

वैर-एर्-माभ्-परिपालन-भरा

🔎 9884655618 💋 🔑 8072613857 💋 🔛 vdspsabha@gmail.com 😯 vdspsabha.org



व्य व्य मक्ष्य एय एय मरूर

> विम्दिर न भया विम्हिक-कला न प्र किञ्चन क ञ्चनभि गुरी। म् उमेव विचिष्ठि मुपं महरं ठव मद्भग मिक मे मग्लभागा ॥ इंडि मी उरका गार विरिग्धिं मी उरका सकं मभुक्रभा॥

> > एव एव मह्य कर कर महर एव एव मद्भा का का मद्भा। काञ्ची-मद्भा काभकेए-मद्भा रुर रुर मद्भर एव एव मद्भर॥

काचेन वाग्रा भनमिन् चैता ब्रम्मपूरुङ्गना वा पेक्टः भ्रष्टावाडी। करें भि यद्रेश भकलं परम् नग्यलग्विउ मभर् या भि॥ मनेन प्रस्तेन मी-छन् मापरेन्-भरभ्री-मी छर ११ वरु भा। र्षं उद्गमुद्धार्याभम्।

वैम्-एम्-माभ्-परिपालन-मरा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4** 



